pan>

Title: Need to set up Dalit Sports Authority of India for the welfare of Scheduled Castes .

श्री कौशल किशोर (मोहनलालगंज) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उन दलित जातियों की तरफ आकर्Âिात करना चाहता हूं जो जन्मजात खेल से ही अपनी रोजी-रोटी चलाने का काम करते हैं, जैसे नट, कंजड़, भील, आदिवासी, वनवासी, भातु आदि जाति के लोगों को जिमनास्टिक में, एथलेटिक्स में, तीरंदाजी में, निशानेबाजी में, ऊंची कूद और लंबी कूद में महारत हासिल है। इनके बच्चे बचपन से ही इस तरह से आगे निकलते जाते हैं और खेलों में महारत हासिल करते हैं। चूंकि इनको सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं, इसलिए एशियाई खेलों और ओलंपिक खेलों में इनको जाने का मौका नहीं मिलता है। अगर इनको सुविधायें दी जाएं तो निश्चित तौर पर ये एशियाई खेलों में और ओलंपिक खेलों में गोल्ड मेडल जीतकर लाने का काम करेंगे।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि जिस तरीके से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया का गठन हुआ है, उसी तर्ज पर दलित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया का गठन किया जाए और इन लोगों को यानी दलित जातियों के लोगों को उसमें शामिल करके, सुविधायें देकर खेलों में आगे बढ़ाया जाए।